एक कदम बदलाव की ओर.....

जिस समुदाय के बीच हम काम करते हैं वहां सहिया दीदी के सहयोग तथा समुदाय के लोगों के सहभागिता एवं समझ से समुदाय में व्यव्हार परिवर्तन संभव है। इस बदलाव को एक घटनाक्रम से समझने का प्रयास करते हैं।.....

कोडरमा जिला के सुदूरवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, क्षेत्र सतगावां के "समलडीह" गाँव के श्री उमेश चौधरी, 10वीं कक्षा में पढाई करने वाली अपनी 16 वर्षीय बड़ी बेटी सुश्री संजू कुमारी की शादी, लड़के वालों को कुछ पैसा अग्रिम दहेज़ के रूप में देकर तय कर देते हैं।

शादी होने की तिथि से कुछ माह पूर्व 17-11-2018 को संजू के गाँव में समुदाय के सहयोग से सहिया दीदी सामुदायिक बैठक का आयोजन करती है। इस बैठक में संजू कुमारी भी शामिल होती है। बैठक में गाँव की किशोरियों के द्वारा नाटक के माध्यम से कम उम्र में होने वाली शादी से होने वाली परेशानियाँ एवं उसके परिणाम व समाधान को प्रदर्शित किया जाता है और नाटक के अंत में माता और शिशु दोनों की मृत्यु हो जाती है।

बैठक की समाप्ति के बाद तत्काल ही संजू घर जाकर अपने माता - पिता से अपनी शादी न करने की बात कहती है।

माता – पिता के दबाव बनाने पर, संजू गाँव में आयोजित बैठक में कम उम्र में होने वाली शादी से होने वाली परेशानियाँ एवं उसके परिणाम की बात बताती है। संजू के जिद्द को देखकर माता – पिता उसकी बात मान लेते हैं। जबकि वर पक्ष के द्वारा संजू के पिता से लिए गए अग्रिम राशि को नहीं लौटाया जाता है।

अब अपने परिवार के साथ संजू खुश है तथा अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है और वह आगे पढ़ रही है। संजू को देख संजू की छोटी बहन काजल एवं सहेली नेहा भी अपनी शादी 18 वर्ष के पश्चात् ही करने की बात करती हैं और वो भी अपनी पढाई निरंतर कर रही हैं। अब संजू तथा उसकी माँ जब भी गाँव में रहती है और यदि पी० एल० ए० बैठक होता है तो उसमे शामिल होती है।

इस प्रखण्ड क्षेत्र में शिक्षा संसाधनों के आभाव, सामाजिक अवधारणाओं, वर्षों से चली आ रही परम्पराओं के कारण माता – पिता अपनी बच्चियों की शादी कम उम्र में ही कर दिया करते हैं।

सामुदायिक सहभागिता से लोग समझ बनाकर कम समय में और मजबूती से समुदाय का व्यवहार परिवर्तन करने में सक्षम हो सकते है। अब पी०एल०ए० बैठक का समुदाय में इंतजार होता हुआ देखा जाता है।

इसी प्रयास से सतगावां प्रखंड के 6 गावों की 6 किशोरियों की शादी कम उम्र में होने से रुकी है, एतद.....

(1) सुश्री रानी कुमारी, पिता – रवि पंडित, ग्राम – रामशाला, सहिया – प्रमिला देवी (२) सुश्री बबिता कुमारी, पिता – भुनेश्वर तुरी, ग्राम – दोनैया, सहिया –

जीरा देवी (3) किशोरी का नाम – सुश्री प्रियंका कुमारी, पिता का नाम - ब्रह्मदेव प्रसाद यादव, ग्राम – नंदूडीह, सहिया – इंदु देवी (4) किशोरी का नाम – सुश्री काजल कुमारी, पिता का नाम – श्रवण राय, ग्राम – नंदूडीह, सहिया – इंदु देवी (5) किशोरी का नाम – सुश्री रूपा कुमारी, पिता का नाम – सखी चन्द्र साव, ग्राम – गजेडीह, सहिया का नाम – प्रीतिबाला कुमारी।

सहिया दीदी के सहयोग तथा समुदाय के लोगों की भागीदारी से ही यह प्रयास संभव हो पाया है।

धन्यवाद।